



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

18 चैत्र 1933 (श०)

(सं० पटना 129) पटना, शुक्रवार, 8 अप्रैल 2011

पथ निर्माण विभाग

अधिसूचना

14 मार्च 2011

सं० निग / सारा-४-(पथ)-आरोप-105 / 10-3109(एस)—श्री श्यामानन्द पाण्डेय, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल खगड़िया सम्प्रति कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल दरभंगा द्वारा पथ प्रमंडल खगड़िया के पदस्थापनकाल में खगड़िया—मुंगेरघाट लिंक पथ के कि०मी० 2 (अंश) में विभिन्न स्थानों पर कराए गए बी०एम० कार्य में प्रयुक्त एग्रीगेट औसतन 8.18 प्रतिशत ओवर साईज पाये जाने एवं उक्त कार्य में प्रयुक्त अलकतरा निर्धारित प्रावधान 3.30 प्रतिशत से कम औसतन 3.07 पाये जाने तथा खगड़िया—अलौली पथ के कि०मी० 10 में कराये गये GSB कार्य में प्रयुक्त एग्रीगेट 15.13 प्रतिशत ओवर साईज पाए जाने, उक्त पथ के कि०मी० 6 में कराये गए BUSG कार्य में प्रयुक्त एग्रीगेट औसतन 30.46 प्रतिशत ओवर साईज पाये जाने तथा BUSG कार्य में प्रयुक्त अलकतरा की मात्रा निर्धारित प्रावधान 1.93 प्रतिशत से 0.62 प्रतिशत की कमी पाये जाने के आरोप के लिए श्री पाण्डेय से विभागीय पत्रांक 12870 (ई) अनु०, दिनांक 11 नवम्बर 2009 द्वारा स्पष्टीकरण की मांग की गयी। श्री श्यामानन्द पाण्डेय, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल खगड़िया सम्प्रति कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल दरभंगा ने अपने स्पष्टीकरण पत्रांक शून्य, दिनांक 1 दिसम्बर 2009 में अंकित किया किया कि खगड़िया मुंगेर लिंक पथ में प्रयुक्त एग्रीगेट ओवर साईज पाये जाने का कारण क्वेरी स्थल पर सही प्रकार के एग्रीगेट अनुपलब्ध होना था एवं बी०एम० कार्य में प्रयुक्त अलकतरा की मात्रा मात्र 0.23 कम है जो अनुमान्य सीमा 0.3 प्रतिशत के अंतर्गत है। खगड़िया अलौली पथ के कि०मी० 10 में GSB कार्य के संबंध में उन्होने अंकित किया है कि उक्त कार्य झामा मेटल से किया गया। झामा मेटल mannually कार्य स्थल पर ही तोड़ा गया, फलस्वरूप कुछ ओवर साईज मेटल पाया गया। BUSG कार्य में प्रयुक्त एग्रीगेट ओवर साईज पाये जाने का कारण क्वेरी स्थल पर सही आकार के एग्रीगेट की कमी रहना ही बताया तथा BUSG कार्य में प्रयुक्त अलकतरा की कमी के संबंध में अंकित किया है कि BUSG कार्य में अलकतरा की मात्रा विशिष्टि (एकरारनामा) के अनुसार 1.15 (टैक कोट छोड़कर) है न कि 1.93 प्रतिशत। श्री पाण्डेय, द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण के तकनीकी समीक्षोपरान्त पाया गया कि निरीक्षण किये गये उक्त पथ में अलकतरा निर्धारित मापदंड से कम दिया गया तथा स्टोन चिप्स भी घटिया किस्म का लगाया गया। श्री पाण्डेय का यह कहना कि BUSG कार्य में टैक कोट छोड़कर बिटुमेन की मात्रा 1.15 प्रतिशत होती है न कि 1.93 प्रतिशत, स्वीकार योग्य नहीं है क्योंकि BUSG के उपर टैक कोट किया जाता है जो BUSG का अंश हो जाता है और एग्रीगेट में चिपका रहता है जिसे सम्मिलित कर ही 1.93 प्रतिशत का प्रावधान है। साथ ही श्री पाण्डेय

का यह स्पष्टीकरण कि जो स्टोन खदान से प्राप्त होता है, उपयोग किया गया स्वीकार योग्य नहीं है कारण कि स्टोन चिप्स विशिष्ट के अनुरूप ही उपयोग होना चाहिए था।

तदआलोक में श्री श्यामानन्द पाण्डेय, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल खगड़िया सम्प्रति कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, दरभंगा के स्पष्टीकरण को स्वीकार योग्य नहीं मानते हुए निम्न दंड संसूचित किया जाता है :—

- (i) निन्दन,
- (ii) तीन वार्षिक वेतन वृद्धियों पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट,
सरकार के उप-सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 129-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>